5.00-5

पदि किया के अन्न में 'के लिए' लगा होता है, वहाँ किया के काथ 'तुमुन्' प्रत्यप जोड़ दिया जाता है। 'तुमुन्' प्रत्यप में 'दन्' का लीप हो जाता है, केवल 'तुम्' कच जाता है। पथा—

वह पदने के लिए विद्यालय जाता है।

यः पिठतं विद्यालयं ग्रान्यहित।

पह + तुम् = पित्तम = पढने के लिए धाष् + रामुन = धार्षित्म = न्द्रिन के लिए गम् + रुष्ट्र = गनुस् = जाने के लिए दा + उम्र = दानुम = देन के लिए भ्रम् + तुम्त् = भ्रामितुम् = ध्रमने के लिए अट + उम्र = अरितुम् = टहलने केलिए कीर् + नम्य = कीित्रम् = रवेलने के लिए राम विधालाय में पढ़ने गया - रामः विधालाचे पिरुष् अगन्छत्। , सडक पर रहलने जाता ई- अहं राजमार्भ अरितुं गन्छा जि। लाउके में बान में खेलाने गाये - बालावना! सेने क्रीडिनुम् अगन्ध्रम